हमारे जीवन में बढ़ते जा रहा टेक्नोलॉजी का दखल, कोडिंग के फील्ड में अपार संभावनाएं

Publish Date:Wed, 19 Aug 2020 11:59 AM (IST)

Create PDF in your applications with the Pdfcrowd HTML to PDF API PDFCROWD

आने वाले समय में जब गेम्स एप्स रोबोट्स टेक्नोलॉजी का दखल हमारे जीवन में बढ़ने जा रहा है तो कोडिंग यानी प्रोग्रामिंग के फील्ड में करियर बनाना काफी लुभावना हो सकता है।

अंशु सिंह। Fields Of Programming आजकल एंड्रॉयड डेवलपमेंट से लेकर इंस्टाग्राम, नेटफ्लिक्स तथा माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सूट आदि के इस्तेमाल में जावा, पाइथन या सी प्लस प्लस जैसे प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की भूमिका अहम होती है। आने वाले समय में जब गेम्स, एप्स,

ज्यादा पठित

NEWS 2 Hours Ago

Delhi Metro News: दिल्ली मेट्रो के शुरू होने से पहले यात्रियों को तोहफा, अब ऑटो टॉपअप फीचर वाले स्मार्ट कार्ड से करें सफर

NEWS 3 Hours Ago

भारत में चरम के करीब पहुंची कोरोना महामारी, कोविड-19 की मार आम आदमी पर पड़ी भारी

BUSINESS 3 Hours Ago

वेतन से नहीं चल रहा काम तो घर बैठे अपनाएं ये तरीके, आएगा खूब पैसा

POLITICS 6 Hours Ago

कैबिनेट के फैसले : अब सरकारी नौकरियों के लिए एक टेस्ट, NRA लेगी परीक्षा, गन्ने की कीमत भी बढ़ी

NEWS 13 Hours Ago

Create PDF in your applications with the Pdfcrowd HTML to PDF API PDFCROWD

रोबोट्स, ऑटोनोमस कार, टेक्नोलॉजी का दखल हमारे जीवन में बढ़ने जा रहा है, तो कोडिंग यानी प्रोग्रामिंग के फील्ड में करियर बनाना काफी लुभावना हो सकता है...

एपल के सीईओ टिम कुक की मानें, तो कोडिंग सीखने के लिए किसी डिग्री की जरूरत नहीं है। दुनिया के साथ-साथ भारत के बच्चों ने भी इसे साबित कर दिखाया है। 14 वर्षीय अश्वथ प्रसन्ना को ही लें। इनके द्वारा डेवलप किए गए कई एप्स एपल के एप स्टोर पर मौजूद हैं। बेंगलुरु स्थित एपल के एप एक्सलेटर सेंटर से मेंटरिंग हासिल करने के पश्चात प्रसन्ना खुद भी कार्यशालाएं आयोजित कर अन्य बच्चों को कोडिंग सिखाते हैं। वे स्कूलों में ई-सेफ्टी को लेकर जागरूकता कार्यक्रम करते हैं।

JMI UPSC Coaching Online Form 2020: रजिस्ट्रेशन का अंतिम दिन आज, यूपीएससी परीक्षाओं के लिए जामिया मुफ्त कोचिंग

यह भी पढ़ें

भारत के मूल निवासी और टोरंटो में रह रहे 16 वर्षीय तन्मय बख्शी की विलक्षण प्रतिभा को दुनिया देख चुकी है। आइबीएम के एआइ एक्सपर्ट होने के साथ ही इनका यूट्यूब पर च्तन्मय टीचेजज् नाम से अपना चैनल भी है, जहां वे मशीन लर्निंग, एआइ, कोडिंग से लेकर अन्य विषयों पर क्लासेज लेते हैं। इनके सब्सक्राइबर्स की संख्या तीन लाख से ऊपर है। मीनल, शोभित, ऋतुराज, श्वेता, छह से 13 साल की उम्र के बीच के हैं। लेकिन इन्होंने एडुटेक स्टार्टअप च्व्हाइटहैट जेआरज् के माध्यम से कोडिंग सीखी और उसके बाद कई इनोवेटिव एप्स भी डेवलप

Sushant Singh Rajput Case: अब गर्लफ्रेंड रिया ने खोला मुंह, कहा- बकवास कर रहा सुशांत का परिवार

NEWS 15 Hours Ago

Hijacked Bus Recover: 15 घंटे की सनसनी फैलाने के बाद इटावा से बस मिली, सभी यात्री सुरक्षित

NEWS 16 Hours Ago

Sushant Rajput Case: राजनीतिक दबाव में सच छिपा रही मुंबई पुलिस, ये 10 सवाल CBI के लिए बनेंगे चुनौती

NEWS 19 Hours Ago

देश में पहली स्वदेशी वैक्सीन का आखिरी ट्रायल आज से होगा शुरू, तीन वैक्सीनों पर चल रहा काम

NEWS 19 Hours Ago

सुशांत सिंह राजपूत केस में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, मामले की CBI करेगी जांच

Create PDF in your applications with the Pdfcrowd HTML to PDF API PDFCROWD

किए। नई शिक्षा नीति में भी छठी कक्षा से बच्चों को कोडिंग सिखाने का प्रस्ताव है, क्योंकि भविष्य में यह काफी कारगर साबित होने वाला है।

ICSI CSEET August 2020: अगस्त परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जारी, कंपनी सेक्रेट्री एग्जीक्यूटिव एंट्रेंस टेस्ट 29 अगस्त को

यह भी पढ़ें

एक लाख युवाओं की स्किल ट्रेनिंग: देश को स्किल्ड नेशन में बदलने के लिए नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन यानी एनएसडीसी के ई-स्किल पोर्टल ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ पार्टनरशिप की है। इसके तहत अगले 12 महीने में एक लाख से अधिक युवाओं को डिजिटल स्किल्स में ट्रेन किया जाएगा। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के प्रेसिडेंट अनंत माहेश्वरी के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट लर्निंग रिसोर्स सेंटर, माइक्रोसॉफ्ट लर्न एवं ई-स्किल डिजिटल प्लेटफॉर्म की मदद से युवा कहीं बैठे नि:शुल्क कस्टमाइज्ड लर्निंग रिसोर्स एवं कंटेंट प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, डिजिटल स्किलिंग अवेयरनेस ड्राइव (वेबिनार, वर्चुअल सेशन, ई-स्किलिंग इवेंट्स) चलाए जाएंगे, ताकि अगली पीढ़ी डिजिटल इकोनॉमी के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सके। वहीं, एनएसडीसी के सीईओ एवं एमडी डॉ. मनीष कुमार की मानें, तो इस पार्टनरशिप का मकसद ही युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ाना, उनकी स्किल को अपग्रेड करना है। क्योंकि मशीन लर्निंग, कोडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विशेषज्ञों की ही आने वाले दौर में मांग होगी।

NEWS 20 Hours Ago
Delhi Weather Update: भारी बारिश के बाद साकेत में गिरी स्कूल की बाउंड्री, 10 गाड़ियां हुईं क्षतिग्रस्त

EDITORIAL 21 Hours Ago
रोचक मोड़ लेता अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव, कमला हैरिस की उम्मीदवारी ने तेजी से बदला समीकरण

TECHNOLOGY 1 Day Ago
Samsung का धमाकेदार ऑफर, पुराने टूटे स्मार्टफोन से खरीदें नया Galaxy Note20, जानिए पूरी डील

फोटो गैलरी
और देखें

Nia Sharma Photos: एशिया की सबसे सेक्सी महिलाओं में एक रह चुकीं निया शर्मा पहले ऐसी दिखती थीं
Nia Sharma Photos: एशिया की

Kangana Ranaut Photos: स्कूल टाइम में ऐसा था कंगना रनोट का लुक, देखें- एक्ट्रेस की पुरानी तस्वीरें
Kangana Ranaut Photos: स्कूल टाइम

Create PDF in your applications with the Pdfcrowd HTML to PDF API
PDFCROWD

JEE Main 2020: जेईई मेन परीक्षा में कोविड-19 के लिए इन निर्देशों का पालन जरूरी होगी, 8.5 लाख देंगे परीक्षा

यह भी पढ़ें

क्या है कोडिंग?: कोडिंग को प्रोग्रामिंग के रूप में भी जाना जाता है यानी कंप्यूटर का सारा काम इसी के जरिये होता है। कोडिंग के जरिये ही कंप्यूटर को बताया जाता है कि उसे क्या करना है। जिन्हें कोडिंग लैंग्वेज आती है, वे आसानी से वेबसाइट या एप डेवलप कर सकते हैं। यूट्यूब चैनल वेब टेक टॉकीज के संस्थापक तरनजीत सिंह के अनुसार, कोडिंग एक प्रक्रिया है जिसमें प्रोग्रामर से मिले निर्देशों को किसी न किसी कंप्यूटर भाषा में लिखा जाता है। प्रोग्रामिंग में हमें चीजें सीखनी होती हैं। इसलिए इसमें तजुर्बा और अलग सोचने का तरीका बहुत मदद करता है।

UPPSC RO/ARO Prelims 2016: उम्मीदवार कर सकते हैं तीन जिला केंद्रों का चुनाव, समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी प्रारंभिक परीक्षा

यह भी पढ़ें

शैक्षिक योग्यता: एडटेक स्टार्टअप बीसिंगुलर के संस्थापक नीतेश जैन कहते हैं कि किसी भी बैकग्राउंड, स्ट्रीम के युवा कोडिंग सीख सकते हैं। मेरी मानें तो तीसरे लैंग्वेज के तौर पर हर किसी को यह सीखना चाहिए। यह एक यूनिवर्सल लैंग्वेज है। इसमें टेक्निकल एवं नॉन-टेक्निकल दोनों बैकग्राउंड के स्टूडेंट करियर बना सकते हैं। लेकिन कंप्यूटर साइंस, वेब

लेटेस्ट वीडियो

Shivraj Singh Chouhan का ऐलान- गरीबों को 5 किलो अनाज फ्री, गैर राशन कार्ड धारकों मिलेगा एक रुपये किलो गेहूं, चावल व नमक- Watch Video

Agra Bus Hijack हाईजैक हुई बस Etawah से मिली खाली , सभी यात्री सुरक्षित- Watch Video

Create PDF in your applications with the Pdfcrowd HTML to PDF API PDFCROWD

डेवलपमेंट, प्रोग्रामिंग, इंफॉर्मेशन सिस्टम आदि में ग्रेजुएशन करना फायदेमंद रहेगा। प्रोग्रामिंग या कोडिंग करने के लिए सी, सी प्लस प्लस, जावा स्क्रिप्ट, एचटीएमएल, सीएसएस, पीएचपी, जावा, हेलो, पाइथन आदि की अच्छी नॉलेज होनी चाहिए। चाहें, तो घर बैठे एप या ऑनलाइन माध्यमों से भी सीख सकते हैं।

BHU Admit Card 2020: बीएचयू PET परीक्षाओं के लिए एडमिट कार्ड जारी, 24 अगस्त से शुरू हो रही परीक्षाएं

यह भी पढ़ें

संभावनाएं: जानकारों की राय में अन्य क्षेत्रों की तुलना में कोडिंग में करियर बनाना एक अलग अनुभव होता है। इसमें काफी मेहनत की दरकार होती है। कोडिंग स्किल में खुद को पारंगत करने और उसे निरंतर अपग्रेड करते रहने से नौकरी मिलने में आसानी होगी। कोडर्स की मांग टेक्नोलॉजी से जुड़ी कंपनियों के अलावा गैर-तकनीकी क्षेत्र में भी देखी जा रही हैं, जैसे-फाइनेंस, हेल्थकेयर, मैन्युफैक्चरिंग आदि में इनके लिए बेहतर विकल्प हैं।

BSSC Counseling Date 2020: सेनेटरी इंस्पेक्टर और फार्मासिस्ट के पदों के लिए काउंसलिंग की तिथि जारी, bssc.bih.nic.in पर करें चेक

यह भी पढ़ें

कोडिंग एक्सपर्ट्स की हर सेक्टर में है अच्छी डिमांड: बीसिंगुलर के सीईओ एवं संस्थापक नीतेश जैन ने बताया कि कोडिंग एक्सपर्ट्स की डिमांड इन दिनों हर सेक्टर में देखी जा रही है।

Rajiv Gandhi Khel Ratna Award क्रिकेटर Rohit Sharma समेत रेस में 3 खिलाड़ी नोमिनेट किए गए- Watch Video

Loading...
Loading...

माय सिटी माय प्राइड

an initiative by jagran

My City My Pride

आइये,
शहर के विकास
को करें रेट

लखनऊ कानपुर मेरठ वाराणसी
पटना देहरादून रांची इंदौर
रायपुर लुधियाना

Create PDF in your applications with the Pdfcrowd HTML to PDF API

PDFCROWD

बीते चार वर्षों में ही सात लाख से अधिक नौकरियों में कोडिंग स्किल्स की मांग रही। अगर प्रोग्रामिंग से संबंधित नौकरियों की बात करें, तो वह भी 12 फीसद की दर से बढ़ रही है।

Bihar STET Admit Card 2020: बिहार राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षा के प्रवेश पत्र इस दिन होंगे जारी, पढ़ें डिटेल

यह भी पढ़ें

टेक इंडस्ट्री की ग्रोथ के साथ नए प्रोफाइल्स के एक्सपर्ट्स की मांग अचानक से बढ़ गई है। इससे युवाओं के सामने भी मल्टीपल ऑप्शंस खुल गए हैं। वे डाटा साइंटिस्ट, इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी स्पेशलिस्ट, वेब-मोबाइल एप डेवलपर, डेवऑप्स इंजीनियर, बिजनेस इंटेलिजेंस एनालिस्ट, वेब डिजाइनर, कंप्यूटर नेटवर्क आर्किटेक्ट के तौर पर करियर बना सकते हैं। इसके अलावा, 2024 तक थ्री डी प्रिंटिंग एक्सपर्ट, क्वांटम मशीन लर्निंग एनालाइजेशन, एआइ, मशीन लर्निंग बिजनेस डेवलपमेंट एवं ऑगमेंटेड रिएलिटी के क्षेत्र में असीम संभावनाएं होंगी। अच्छी बात यह है कि केंद्र सरकार द्वारा हाल में मंजूर नई शिक्षा नीति में छठी से कोडिंग सिखाने का प्रस्ताव है। इससे युवाओं को बेहतर तरीके से भविष्य के लिए तैयार कर सकेंगे।

Posted By: Sanjay Pokhriyal

डाउनलोड करें जागरण एप और न्यूज़ जगत की सभी खबरों के साथ पायें जॉब अलर्ट, जोक्स, शायरी, रेडियो और अन्य सर्विस

Create PDF in your applications with the Pdfcrowd HTML to PDF API PDFCROWD

news # education # Fields of Programming

Software application developer # Web developer

Computer systems engineer # Computer systems analyst

Android development # Database administrator

computer coding careers # coding careers for beginners

software developer # program coding jobs # Microsoft office suite

Computer programmer # Business intelligence analyst

HPCommonManIssues # HPJagranSpecial # कोडिंग में करियर

एंड्रॉयड डेवलपमेंट # इंस्टाग्राम # नेटफ्लिक्स # माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सूट

School and Education

Create PDF in your applications with the Pdfcrowd HTML to PDF API PDFCROWD

POLICIES: Mission Statement Message From The Editor Our Business How Our Journalists Work Corrections Policy Coverage Priorities
Diverse Voices Statement Diverse Staffing And Policy Anonymous Sources Policy Actionable Feedback Privacy Policy Disclaimer

Hindi News About Us Advertise With Us Book Ads On Jagran Partnership Contact Us Sitemap Submit Your News

Copyright ©2020 Jagran Prakashan Limited. ABC Digital CERTIFIED DOWNLOAD APP Google Play App Store

Create PDF in your applications with the Pdfcrowd HTML to PDF API PDFCROWD